अमीर औरत की जिस्म की आग

“बेरोजगारी का मारा मैं मजदूरों के साथ खड़ा था कि एक औरत मुझे अपनी गाड़ी में बैठा कर अपने घर ले गयी. वहां उसने मुझसे क्या काम करवाया ? उसने मुझे अपनी वासना का शिकार बनाया. ...”

Story By: (vivekup)
Posted: Wednesday, May 22nd, 2019
Categories: कोई मिल गया
Online version: अमीर औरत की जिस्म की आग

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अमीर औरत की जिस्म की आग

 यह कहानी सुनें
दोस्तो ! मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे ऊपर नौकरी करने का बहुत दबाव था।

एक दिन घर पर पापा ने मुझे बहुत कहासुनी हुई जिससे मैं गुस्से में घर छोड़कर दिल्ली चला गया। वहां पर दो दिन में मेरे सारे पैसे खत्म हो गये और मुझे पैसे चाहिये थे। इसलिये जब मुझे कोई नौकरी नहीं मिली तो मैं निराश होकर अगले दिन सुबह मजदूरों के साथ खड़ा हो गया जिससे मुझे भी थोड़ा काम मिल जाये और कुछ पैसे भी।

तब वहां पर एक गाड़ी आकर रुकी और उसमें से एक आदमी आया. वह मुझे गाड़ी के पास लेकर गया। गाड़ी का शीशा उतरा और उसमें से एक औरत की आवाज आयी कि उन्हें कुछ काम कराना है और गाड़ी में बैठने को बोला।

मैं चुपचाप गाड़ी में बैठ गया। तब मैं उस औरत को देखने की कोशिश कर रहा था मगर उसने चेहरे पर स्कार्फ पहना हुआ था जिसकी वजह से मुझे कुछ कुछ चेहरा दिख रहा था। उसकी आँखें बहुत सुन्दर थी और आवाज भी।

थोड़ी देर में गाड़ी उसके बंगले पर पहुँची, वहाँ पर गार्ड बन्दूक लेकर खड़े थे। उन्हें देखकर और घर को देखकर मुझे वो औरत बहुत अमीर और पहुँच वाली लग रही थी। मगर मेरे दिल में एक बात थी जो मुझे परेशान कर रही थी कि आखिर इतनी बड़ी शख्सीयत रखने वाली औरत एक मजदूर के लिये खुद क्यों आयी। लेकिन जो भी हो मुझे तो सिर्फ काम से मतलब था और पिछले एक दिन से भूखा होने के कारण मुझे भूख भी लगी थी।

वो औरत मुझे अपने घर के अन्दर ले गयी और अपने गार्डों का बाहर भेज दिया। उसने मुझसे कहा- कुछ देर बैठो मैं तुम्हें काम बाद में बताऊँगी।
और अपने नौकर से मेरे लिये कुछ नाश्ते के लिये कह गयी.

थोड़ी देर बाद नौकर बहुत सारे ड्राईफ्रूट्स और दूध लेकर आया। मैं भूखा होने के कारण जल्दी से वो सब चट कर गया और थोड़ी देर इन्तजार करने के बाद जब कोई नहीं आया तो मेरी भी आँख लग गयी।

लगभग दोपहर के 2 बजे मैडम आयी और उन्होंने मुझे उठाया.
मैंने देखा कि वहाँ पर और कोई नहीं है, सिर्फ मैडम हैं जो एक जालीदार नाईटी में खड़ी हैं. और सामने टेबिल पर स्काँच ओर कुछ ड्राइफ्रूट्स रखे हैं। मैंने मेडम से सॉरी कहा और काम के बारे में पूछने लगा कि मुझे क्या काम करना है।

मैडम हंसने लगी और मुझसे कहा- तुम्हें मेरा काम तमाम करना है।
मैं कुछ समझा नहीं … मैं इससे पहले कुछ समझ पाता कि मैडम ने मेरी पेन्ट के ऊपर हाथ फेरना शुरू कर दिया और कहने लगी- तुम्हें मुझे खुश करना है और अगर तुम नाकाम हुये तो तुम्हें एक भी पैसा नहीं मिलेगा।

मैडम से मैं मना करने लगा कि मैं यह सब नहीं कर सकता मुझे यहाँ से जाना है।
लेकिन तभी मैडम ने मेरे एक गाल पर जोर से तमाचा लगाया तो मैंने भी गुस्से में मैडम के हाथ को जोर से पकड़ कर मोड़ दिया और कहा- मुझे जाने दे … वरना तू मुझे जानती नहीं कि मैं कौन हूँ।
तब मैडम ने मुझे जाने के लिये कहा और मैंने उसे छोड़ दिया।

पर तभी उसने बराबर में रखे मेज के ड्राअर में से रिवाल्वर निकाली मेरी कनपटी पर रख दी और कहा- तू यहाँ से मुझे खुश करके ही जायेगा वरना तू मुझे नहीं जानता, मैं अभी नीचे से

गार्डों को बुलाकर तुझे गायब करा सकती हूँ या फिर जेल भी भिजवा सकती हूँ।

अब मुझे भी थोड़ा डर लगने लगा तो मैंने थोड़ा सोचकर हाँ कर दिया.
तब मैडम ने खुश होकर मुझसे कहा- मैं अपने रूम में ऊपर जा रही हूँ, तुम फ्रैश होकर मेरे कमरे में आ जाना।

मैं बाथरूम में फ्रैश होकर ऊपर रूम में चला गया जब मैं वहाँ पहुँचा तो मैडम नहा रही थी और बाथरूम का दरवाजा भी खुला हुआ था। मैंने भी मन में सोचा कि जब साली खुद चुदना चाह रही है और मुझे पैसे भी दे रही है तो मैं क्यों पीछे हटूँ। मैंने वहीं खड़े होकर मैडम को आवाज लगायी कि मैं आ गया हूँ।

थोड़ी देर में मैडम बाथरूम से एक छोटे से गाऊन में निकल कर आयी। मैं तो बस उन्हें देखता ही रह गया। लग रहा था मानो कोई अप्सरा नहाकर आयी हो।

मैडम आकर सोफे पर बैठ गयी और मुझसे कहा- तुम भी अपनी टी शर्ट उतारकर कर यहाँ मेरे सामने बैठ जाओ।
मैं तो बस उन्हें देखने में मगन था तब उन्होंने थोड़ा जोर से कहा तो मैं जल्दी से अपने कपड़े उतार कर बैठ गया।

मैडम ने उठकर कमरे में रखे शीशे की तरफ जाकर अपनी आँखों में काजल लगाया और परफ्यूम को अपने बदन पर छिड़क कर सीधे मेरे पास आयी और मुझे मेरे बाल पकड़कर उठाया. मुझे दर्द हुआ और मैंने भी गुस्से में उसके बालों को खींचकर पकड़ लिया जिससे वो भी चीख उठी और मुझे डांटने लगी- ये क्या कर रहे हो ? मैं तुम्हें इस काम के पैसे नहीं दे रही कि तुम मुझे तकलीफ पहुँचाओ, बल्कि इस बात के पैसे दे रही हूँ कि तुम अपनी जवानी का प्यार भरा मजा मुझे दो। यदि तुमने दोबारा फिर ऐसा किया तो तुम जानते हो कि मैं क्या कर सकती हूँ।

मैं भी उसकी बात सुनकर थोड़ा शान्त हो गया और फिर उसके बाल छोड़कर चुपचाप खड़ा हो गया। फिर वो मुझे सीधे पकड़कर अपने बेड पर ले गयी और मुझे धक्का देकर नीचे गिरा दिया। वो भी बेड पर चढ़ गयी और मेरी नेकर के ऊपर से मेरे लण्ड को सहलाने लगी.

उसके सहलाने से मेरा लण्ड खड़े होने लगा और मेरे दिमाग से गुस्सा खत्म होकर उसकी खूबसूरती को नशा चढ़ने लगा। अब मैंने भी झट से उसे पकड़कर अपने ऊपर ले लिया और उससे कहा- यदि तुम अब जन्नत की सैर करना चाहती हो तो सब कुछ भूलकर अब चुपचाप मजे लो और मेरा साथ देती रहो. फिर देखो कि तुम कैसे जन्नत की सैर करती हो।

फिर मैंने उसे बेड पर लेटा कर धीरे धीरे उसके शरीर को सहलाते हुये एक एक कपड़ा उतार दिया और उसके पैरों के अंगूठे से शुरु करते हुए उसके एक एक अंग को चूमने के बाद अपनी जीभ से पूरे शरीर के नापा जिससे वो मेरे कब्जे में पूरी तरह आ चुकी थी।

अब मैं चूत से नीचे जो जांघो वाला हिस्सा होता है वहां पर जीभ से घुटनों से चूत की तरफ बार बार चूमता और चूत के मुहाने पर आकर रुक जाता. मेरे बार बार ऐसा करने से वो छटपटा उठी उम्म्ह… अहह… हय… याह… और मेरा मुंह जबरदस्ती अपनी चूत पर दबाने लगी. लेकिन मैं भी बहुत हरामी था, मैं वहां छोड़कर उसके स्तनों पर आ गया और वहां हलचल शुरु कर दी.

कुछ देर में वो वहां भी मेरा मुंह पकड़कर दबाने लगी. इस दौरान वो एक बार झड़ चुकी थी और मेरा भी मस्ती की वजह प्रीकम बार बार बाहर निकल रहा था.
थोड़ी देर में वो मेरे सामने मिन्नत करने लगी- मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती इसीलिये जल्दी से मेरी आग को शान्त कर दो. नहीं तो मैं इस आग में जल कर मर जाऊंगी।

फिर मैं उसके साथ 69 का पोजिशन में आ गया और मैं उसकी चूत को बड़े आनन्द के साथ

चाट रहा था और वो मेरे लंड को। थोड़ी देर में हम दोनों झड़ गये और एक दूसरे को चूमने लगे।

वो फिर मेरे लंड के साथ खेलने लगी और मारे मस्ती के मेरा लंड भी दोबारा दुगने जोश के साथ खड़ा हो गया. लंड खड़ा होते ही वो खुद बेड पर टांगें चौड़ाकर लेट गयी और मेरी तरफ एक छोटे बच्चे की तरह देखते हुए सिर्फ इशारों में अन्दर डालने का आदेश देने लगी।

मैंने भी उसके प्यार भरे आदेश का पालन करते हुए अपना लंड उसके चूत के मुहाने पर लगाकर थोड़ा सा रगड़कर एक जोरदार धक्का दिया जिससे उसकी थोड़ी चीख निकल गयी. लेकिन अचंभे की बात यह थी कि वो दर्द से कराहकर मेरे सीने से लग गयी और पागलों की तरह मुझे चूमने लगी.

थोड़ी देर के बाद जब वो शान्त हुयी तो मैंने अपने धक्के लगाने शुरु कर दिये. धीरे धीरे मैं अपने धक्कों की स्पीड बढ़ा रहा था।

दोस्तो, मैंने अपनी जिन्दगी में कई लड़की और औरतों की चूत मारी है लेकिन इस औरत के साथ जो मजा मुझे आ रहा था वो अभी तक किसी और के साथ नहीं आया था. मैंने अभी लगभग 35-40 धक्के लगाये होंगे कि वो झड़ गयी और फिर एकदम अपनी चूत को भींचकर मेरे सीने से चिपक गयी.

इस अवस्था में मुझे कितना आनन्द आ रहा था ये तो बस मैं जानता हूँ और शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

थोड़ी देर में मेरे धक्के फिर शुरु हो गये लेकिन इस बार वो भी झड़ने का नाम नहीं ले रही थी और मैं भी। काफी देर के बाद वो एकदम से बहुत जोश के साथ झड़ने लगी और मुझे

अपने से ऐसे भींच लिया जैसे मानो मुझे कभी छोड़ना नहीं चाहती।

उसकी इस अदा पर मुझे उस पर बेशुमार प्यार आने लगा और उसे जबरदस्ती नीचे गिराकर अपने धक्कों की स्पीड दुगनी कर दी जिस कारण वो तीसरी बार जोश में आ गयी. लेकिन इस बार हम दोनों एक साथ झड़े।

झड़ने के बाद भी बहुत देर तक मैं उसके जिस्म को चूमता चाटता रहा और फिर वो और मैं ऐसे ही सो गये.

लगभग 1.5 घण्टे बाद मेरी आंख खुली और मैंने देखा वो अभी भी वैसे ही सो रही थी। उसे देखने पर फिर मुझे उस पर प्यार आने लगा. मैंने दोबारा उसे चूमते हुए उसे जगाया और एक बार और सेक्स किया।
यह सेक्स मेरे जीवन का एक यादगार लम्हा था।

शाम को लगभग 8 बजे उसने मुझे दस हजार रुपये दिये और मुझसे मेरा मोबाईल नम्बर लेकर माथे पर एक किस करके मुझे विदा किया।

उसके बाद लगभग उसने दो साल तक मेरे साथ सेक्स किया और कई बार तो उसने अपनी कई सखियों को भी मेरा नम्बर देकर मुझसे सेक्स करवाया।

दोस्तो, मैं कोई काल बॉय तो नहीं लेकिन हां … उससे मैंने बहुत पैसे कमाये और आज मैं अपना बिजनेस करता हूँ। लेकिन आज मैं उसके टच में नहीं हूँ और अपनी जिन्दगी मजे में जी रहा हूं।
मेरी कहानी आपको कैसी लगी ? जरूर बताना.
मेरा ईमेल है vivekupsambhal@gmail.com

Other stories you may be interested in

प्यार की नयी परिभाषा

मेरा नाम हिमांशु है और मैं छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में रहता हूं. आज मैं आपको अपनी जिंदगी में घटी सबसे बड़ी घटना बताने जा रहा हूं. यह बात तब की है जब मैं बाहरवीं कक्षा में पढ़ता था. मेरी […]
Full Story >>>

भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-1

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम इंद्रबीर है, मैं पंजाब का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना शायद तब से पढ़ता आ रहा हूँ, जब से मेरे लंड ने होश संभाला है. वो जैसे कहते हैं बूँद-बूँद से सागर बन जाता है, वैसे […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-6

अभी तक आपने पढ़ा कि मेरी रंडी बहन मुझे चुदाई के खेल में खेल रही थी मैं उसके साथ वाइल्ड सेक्स कर रहा था, जोकि उसी की पसंद थी. अब आगे : मैं उसके पीछे आया और उसके बाल पकड़ कर […]
Full Story >>>

हैंडसम लड़का पटाकर चूत चुदाई के बाद गांड मरवायी

मेरे प्रिय दोस्तो, मेरा नाम रितिका सैनी है. आपने मेरी पिछली हिंदी सेक्स स्टोरी स्कूल में पहला सेक्स किया हैंडसम लड़के को पटाकर को बहुत प्यार दिया, उसके लिए आप सभी का बहुत धन्यवाद. अगर आपने मेरी पहली कहानी नहीं […]
Full Story >>>

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-4

अभी तक आपने पढ़ा कि लखनऊ के होटल के कमरे में पहली बार चुदने वाली डॉली उसके बाद मेरे घर पर और फिर अपने घर पर चुदाई का आनन्द ले चुकी थी. अब आगे : इतवार का दिन था, सुबह के […]
Full Story >>>